राज्य सभा/लोक सभा के पटल पर रखे जाने वाले कागज़ात

अधिप्रमाणित

नई दिल्ली
दिनांक

मनीष (तिवारी)

(मनीष तिवारी)
सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(MANISH TIWARI)
Minister of State for
Information & Broadcasting
(Independent Charge)
Govt. of India, New Delhi

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

वर्ष 2012 -13 के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के कार्य पर सरकार द्वारा समीक्षा

1. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड देश में बेहतर सिनेमा के विकास आंदोलन को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड का बुनियादी लक्ष्य भारतीय फिल्म उद्योग तथा भारतीय सिनेमा का एकीकृत एवं समन्वित विकास के हेतु योजना बनाने, प्रोन्नत करना तथा सिनेमा में श्रेष्ठता को प्रोत्साहित करना है। विगत वर्षों में एनएफडीसी ने भारतीय सिनेमा के विकास के लिए आवश्यक सेवाएं प्रदान की हैं। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (इसके पूर्ववर्ती फिल्म वित्त निगम) ने अब तक 300 से ज्यादा फिल्मों का निर्माण/वित्त पोषण किया। विभिन्न भाषाओं में बनाई गई यह फिल्में, सर्वत्र सराही गई और इन्हें अनेक राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। निगम इन सराही गई फिल्मों के लिए दर्शकवर्ग तथा वितरकों का विस्तार कर सकने की संभावनाओं पर भी विचार करता रहा है।

2. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. का लक्ष्य अन्य गतिविधियों के जरिये भारतीय सिनेमा के उन्नयन का भी है, यह गतिविधियां हैं : पटकथा विकास, स्वतंत्र फिल्मकारों द्वारा बनाई गई फिल्मों का विदेशी बाजारों में बढ़ावा, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड द्वारा विकसित फिल्म बाजार के जरिये गोवा में नवम्बर, 2007 से शुरू किये गये अंतराष्ट्रीय फिल्म समारोह के दौरान भारतीय फिल्मकारों तथा विदेशी फिल्म निर्माताओं के बीच बेहतर तालमेल के लिए मंच उपलब्ध कराना। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड फिल्म उद्योग के उन क्षेत्रों में विकास करना अपना दायित्व मानता है जिनमें व्यापारिक सीमाओं के कारण प्राइवेट सेक्टर रूचि नही लेता। भारत जैसे तेजी से

विकासमान फिल्म उद्योग में हर स्तर पर नई चुनौतियां सामने आ खड़ी होती हैं। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड का उद्देश्य इन क्षेत्रों में अपनी पहुंच बना कर उद्योग के प्रयत्नों का पूरक बन कर हर कमी को पूरा करना है।

3. एक दशक से अधिक अवधि तक, हानियों और टर्नओवर में गिरावट की वजह से वर्ष 2008 में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड को सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआरपीएसई) द्वारा कमजोर पीएसयू के रूप में अधिसूचित किया गया। भारत सरकार ने कम्पनी द्वारा सितम्बर, 2010 में प्रस्तुत कम्पनी के पुनर्निर्माण करने की योजना को स्वीकार कर लिया, उसके अंतर्गत मौजूदा ऋणों को इक्विटी में बदलने के साथ 300 लाख रु. नयी इक्विटी भी दी गई। इसके पश्चात, पिछले चार वर्षों में कंपनी के कार्यनिष्पादन में सुधार हुआ है। कम्पनी का टर्नओवर वित्तीय वर्ष 2008-09 में 17.31 करोड़ रु. था जो वित्तीय वर्ष 2012-13 में बढ़कर 251.06 करोड़ रु. तक पहुंच गया, उसका परिणाम चार वर्षों में 263% के सीएजीआर में हुआ। कम्पनी का लाभदायिकता वित्त वर्ष 2008-09 में 10.30 करोड़ रु. की हानि से वित्त वर्ष 2012-13 में 8.31 करोड़ रु. के लाभ से कई गुना बढ़ा है।

4. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. फिल्म निर्माण, विज्ञापन का निर्माण, सरकार एवं अन्य ग्राहकों के लिए लघु एवं कोर्पोरेट फिल्में, फिल्म प्रदर्शन, फिल्म बाजार, डिजीटल नॉन लीनिअर एडिटिंग में प्रशिक्षण, सिनेमाटोग्राफी, उप-शीर्षकांकन आदि के अपने विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में तेजी से अग्रसर हो रहा है।

5. फिल्म निर्माण के क्षेत्र में, निगम ने "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्म निर्माण" की 11वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत कई फिल्म योजनाएं ली हैं। उपर्युक्त योजनांतर्गत वर्ष 2012-13 के दौरान राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड द्वारा पांच फिल्म परियोजनाएं पूरी की गई थीं। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड द्वारा वित्त वर्ष 2012-13 के दौरान निर्मित/सहनिर्मित फिल्मों की कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियां निम्नानुसार हैं:-

क. "द लंच बॉक्स" फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक रितेश बात्रा ने किया है और सहनिर्माण राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. से अनुराग कश्यप फिल्म्स, डर मोशन पिक्चर्स, आरओएच फिल्म्स (जर्मनी), एएसएपी फिल्म्स (फ्रान्स), सिने मोजेक (यूएसए) के साथ मिल कर किया है. इसे कान्स फिल्म फेस्टीवल 2013 में कान रेल डि'ओर

पुरस्कार से सम्मानित किया गया जहां इसे अंतरराष्ट्रीय समीक्षक सप्ताह के एक भाग के रूप में प्रदर्शित किया गया था।

ख. पंजाबी फिल्म ''किस्सा'' जिसका सह-निर्माण एनएफडीसी और हिमत फिल्म ऑफ जर्मनी द्वारा किया गया है। भारत सरकार और जर्मन सरकार के बीच सह-निर्माण करार के अंतर्गत बनी पहली अधिकृत रूप से मान्यता प्राप्त फिल्म है। इस फिल्म में नीदरलैंड और फ्रांस के भी सह-निर्माताओं का योगदान है।

ग. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड द्वारा स्वनिर्मित फिल्म "द गुड रोड" एक गुजराती फिल्म को, 2013 में सर्वश्रेष्ठ गुजराती फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

घ. मलयालम फिल्म "कलियाचन" को सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ पार्श्व संगीत के लिए मनोज के. जयन को द्वितीय सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए और फारूक अब्दुल्ल रहमान को सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक के लिए तीन राज्य पुरस्कार भी मिले हैं।

6. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 2009 में नीतिगत निर्णय लिया और विभिन्न मंत्रालयों की ओर से मीडिया चलाने के लिए डीएवीपी के साथ राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड को प्राधिकृत किया। तब से व्यवसाय में उपस्थिति दर्शाते हुए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2009-10 में 4400 लाख रुपये के मुकाबले वर्ष 2012-13 में 17,442 लाख रुपये का टर्नओवर हासिल किया।

7. संपूर्ण ग्राहक संतुष्टि के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. सतर्क रहता है. वर्ष के दौरान, सरकारी ग्राहकों ने राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. को ग्राहक संतुष्टि के पैमाने पर 5 मे से औसतन 4.82 अंक (सर्वोत्कृष्ट) प्रदान किये।

8. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड ने 2011-12 में "सिनेमा ऑफ इंडिया" के अंतर्गत डीवीडी में 30 फिल्में सफलतापूर्वक रिलीज की। यह प्रक्रिया वित्त वर्ष 2012-13 में भी आगे बढ़ाई गई और इस सूची में डीवीडी अथवा वीसीडी फार्मेट में 34 अन्य फिल्में जोड़ दी गई। इस

सूची में बहुप्रशंसित फिल्में रिचर्ड एटनबरो कृत "गांधी" तथा पामेला रुक्स कृत "ट्रेन टू पाकिस्तान" आदि भी शामिल है। इसी साल राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. की नई फिल्में "माया बाजार", "अन्हे गोरे दा दान" और "गंगूबाई" प्रदर्शित हुई।

9. फिल्म बाजार एनएफडीसी द्वारा 2007 में निर्माण एवं बिक्री के एक ऐसे मंच को विकसित करने के उद्देश्य से की गई। जो विश्व के बाजारों में भारतीय सिनेमा की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करें। सन 2011 में दक्षिण एशिया की जरूरतों को पूरा करने के लिए बाजार का विस्तार किया गया। अब यह अंतरराष्ट्रीय मार्केट कैलेंडर पर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उद्योग की नियमित गतिविधि बन चुकी है। सन 2007 में अनुमानतः 170 प्रतिनिधियों की उपस्थिति के साथ शुरू किये गये प्रयोगात्मक फिल्म बाजार में सन 2012 तक 33 देशों के 712 से भी अधिक प्रतिनिधि जुड़ चुके थे। फिल्म बाजार में अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त सह निर्माण मार्केट, पटकथा लेखन लैबस, नॉलेज सीरिज आदि भी शामिल हैं।

10. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में वित्त वर्ष 2011-12 में कम्पनी के कार्य निष्पादन को "सर्वोत्कृष्ट" मूल्यांकित किया गया। वर्ष 2012-13 मे भी कम्पनी अपने कार्य निष्पादन के लिए "सर्वोत्कृष्ट" मूल्यांकन पाने की ओर सन्नद्ध है।

*****